प्रश्न 3. सूक्ष्म अर्थशास्त्र में परिचालन की विधियों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर परिचालन की विधियाँ यह मान लिया जाता है कि सभी फर्म (कम्पनी) तर्कसंगत निर्णय-निर्धारण का अनुसरण कर रही है और वे लाभ को अधिकतम करने वाले आउटपुट पर उत्पादन करेंगी। इस धारणा को देखते हुए चार श्रेणियों में एक फर्म के लाभ पर विचार किया जा सकता है

- एक फर्म को आर्थिक लाभ करता हुआ कहा जाता है, जब इसकी कुल औसत लागत अधिकतम करने वाले आउटपुट पर प्रत्येक अतिरिक्त उत्पाद की कीमत से कम होती है। आर्थिक लाभ मात्रा आउटपुट और कुल औसत लागत एवं मूल्य के अंतर के गुणनफल के बराबर होता है।
- एक फर्म को सामान्य लाभ करता हुआ कहा जाता है, जब इसका आर्थिक लाभ शून्य के बराबर होता है। यह तब होता है, जब कुल औसत लागत अधिकतम करने वाले आउटपुट की कीमत के बराबर होती है।
- यदि कीमत कुल औसत लागत एवं अधिकतम सीमा तक ले जाने वाले आउटपुट पर औसत चर लागत के बीच होती है तो फर्म को हानि निम्नतम करने वाली स्थिति मे कहा जाता है। फर्म को अब भी उत्पादन करना जारी रखना चाहिए, हालांकि उत्पादन करना रोक देने पर इसकी हानि अधिक बड़ी होगी। उत्पादन जारी रख कर, फर्म (कंपनी) अपनी चर लागत और कम-से-कम इसके स्थिर लागत के कुछ हिस्से की कमी को पूरा कर सकती है, लेकिन पूरी तरह से रोक कर यह इसकी स्थिर लागत की अपनी सम्पूर्णता को खो देगी।
- यदि कीमत लाभ अधिकतम करने वाले आउटपुट पर औसत चर लागत से कम होती है तो फर्म को काम बंद करना चाहिए। बिलकुल ही उत्पादन नहीं करके हानियों को कम-से-कम किया जा सकता है; क्योंकि कोई भी उत्पादन इतना अधिक प्रतिफल (रिटर्न) उत्पन्न नहीं कर सकता है जिससे कि किसी स्थिर लागत और चर लागत के हिस्से की कमी को पूरा किया जा सके। उत्पादन नहीं करके, फर्म को केवल इसकी स्थिर लागत की हानि होती है। इस स्थिर लागत की हानि से कंपनी को एक चुनौती का सामना करना पड़ता है। इसे या तो बाजार से बाहर निकल जाना चाहिए या बाजार में बने रह कर एक संपूर्ण हानि का जोखिम उठाना चाहिए।